भाकृअनुप-सीफेट, लु धयाना ने भाकृअनुप-मखाना अनुसंधान केंद्र दरभंगा में मखाना हितधारकों की बैठक का आयोजन कया

मखाना उच्च पोषक तत्वों वाला भोजन साबित हुआ है जो औषधीय गुणों से भरपूर है और दैनिक स्वास्थ्य आहार के लए अच्छा है। फसल एक उच्च मूल्य वाली वस्तु है, जिसकी व्यावसायिक रूप से मुख्य रूप से बिहार के म थला क्षेत्र में खेती की जाती है। इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लए, भाकृअनुप-सीफेट, लु धयाना ने मखाना, दरभंगा पर भाकृअनुप-क्षेत्रीय केंद्र के सहयोग से मखाना पर एक दिवसीय हितधारक बैठक का आयोजन दिनांक 5 सतंबर 2022 को कया। कार्यक्रम में मखाना उत्पादकों, मैनुअल मखाना पॉ पंग वर्कर्स, मखाना प्रोसेसर और व भन्न सरकारी अ धकारियों ने भाग लया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री. संजय सरावगी, मान. वधायक, दरभंगा ने कया। डॉ. एस.एन. झा, उप महानिदेशक (इंजीनियरिंग) भाकृअनुप, नई दिल्ली इस कार्यक्रम के अध्यक्ष थे । श्री राजीव रोशन, आईएएस, जिला मजिस्ट्रेट, दरभंगा, उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता, डॉ एम.एस. कुंडू, निदेशक वस्तार, डॉ आरपी सेंट्रल एग्रील वश्व वद्यालय, डॉ आशुतोष उपाध्याय, निदेशक, आईसीएआर-पूर्वी क्षेत्र के अनुसंधान परिसर, पटना, अन्य उपस्थित थे और डॉ न चकेत कोतवालीवाले, निदेशक, आईसीएआर-सीफेट, लु धयाना द्वारा कार्यक्रम का आयोजन कया गया। निदेशक CIPHET ने मखाना और अन्य खाद्य वस्तुओं की कटाई के बाद की प्रसंस्करण प्रौद्यो ग कयों का अवलोकन प्रस्तुत कया। उद्य मयों, कसान और मखाना प्रोसेसर ने मखाना उत्पादन और प्रसंस्करण में आने वाली कठिनाइयों पर चर्चा की। यह सुझाव दिया गया क मखाना के वकास के लए मखाना अनुसंधान केंद्र और आईसीएआर-सीफेट, लु धयाना के बीच स क्रय सहयोग होना आवश्यक है। आगे यह भी सुझाव दिया गया क मखाना अनुसंधान केंद्र को आईसीएआर-सीफेट के क्षेत्रीय केंद्र में परिवर्तित कया जा सकता है, ता क मशीनीकरण को उ चत रूप से बढ़ावा दिया जा सके। कसानों ने मखाने के लए न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग की। मखान प्रसंस्करण उपकरणों पर सब्सिडी की आवश्यकता भी महसूस की गई। डॉ. एस.एन. झा इस क्षेत्र के वकास में मखाने के ऐतिहा सक महत्व पर जोर देते हैं। उन्होंने कसानों से उच्च उत्पादकता, श्र मकों के स्वास्थ्य और आय सृजन के लए मखाने की पॉ पंग के मशीनीकृत तरीके का उपयोग करने का भी अनुरोध कया। अपने संबोधन में उन्होंने म थला क्षेत्र में शरद पू र्णमा पर मनाए जाने वाले कोजागरा

उत्सव के अवसर पर मखाना महोत्सव आयोजित करने का सुझाव दिया. इस अवसर पर अपने संबोधन में डीएम, दरभंगा, श्री राजीव रोशन ने जोर देकर कहा क कसान मखाना को भोजन उत्पाद के रूप में ले कर स्टार्ट अप की ओर बढ़ें। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रसंस्कृत उत्पादों की ई-मार्केटिंग पर भी जोर दिया। कुछ हितधारकों ने इस क्षेत्र में मखाना प्रसंस्करण के मशीनीकरण में योगदान के लए भाकृअनुप-सीफेट, लु धयाना के प्रयासों की सराहना की। सौर्थ फाउंडेशन के एक उभरते उद्यमी श्री। श्याम बाबू झा ने इस मल्थिला क्षेत्र के मखाना कसानों के हित में आईसीएआर-सीफेट, लु धयाना और इसकी गति व धयों को इस मखाना केंद्र में सहयोग करने का अनुरोध कया है। मुख्य अति थ ने मखाना उत्पादन और प्रसंस्करण के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा कए। उन्होंने उच्च क्षमता वाली मशीन के वकास का अनुरोध कया और सुझाव दिया क आईसीएआर-सीफेट को बिहार के कसानों और हितधारकों के लए कुछ और प्र शक्षण कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। कार्यक्रम का समापन मखाना, दरभंगा स्थित भाकृअनुप-क्षेत्रीय केंद्र के प्रमुख डॉ. इंदु शेखर संह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।